हिमाचल प्रदेश चौदहवीं विधान सभा

बारहवां सत्र

समाचार भाग-1

संख्या : 111

शनिवार, 22 अगस्त, 2026/31 श्रावण, 1948(शक्)

सदन की कार्यवाही का संक्षिप्त अभिलेख

11.00 बजे (पूर्वाह्न)

सदन की बैठक माननीय अध्यक्ष, श्री कुलदीप सिंह पठानिया की अध्यक्षता में 11.00 बजे पूर्वाह्न आरम्भ हुई।

1. शोकोद्गार:

निम्नलिखित ने स्वर्गीय श्री विजयेन्द्र सिंह एवं श्री राम चन्द भाटिया, पूर्व सदस्य, हिमाचल प्रदेश विधान सभा के निधन पर शोकोद्गार व्यक्त किए:-

1. माननीय मुख्य मंत्री
2. श्री जय राम ठाकुर, माननीय नेता प्रतिपक्ष
3. श्री चन्द्र कुमार, माननीय कृषि मंत्री
4. श्री रोहित ठाकुर, माननीय शिक्षा मंत्री
5. श्री विपिन सिंह परमार, माननीय सदस्य
6. श्री पवन कुमार काजल, माननीय सदस्य
7. श्री हरदीप सिंह बावा, माननीय सदस्य
8. श्री आशीष बुटेल, माननीय सदस्य
9. श्री राम कुमार, माननीय सदस्य
10. श्री आर0एस0 बाली, माननीय सदस्य

माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

"सदन के नेता एवं माननीय मुख्य मंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जी ने शोकोद्गार का जो प्रस्ताव इस सदन में दिवंगत आत्माओं स्वर्गीय श्री ज्ञान चन्द, श्री विजयेन्द्र सिंह एवं श्री राम चन्द भाटिया, पूर्व सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए लाया है मैं भी उसमें अपने आप को सम्मिलित करता हूं। स्वर्गीय श्री ज्ञान चन्द जी का जन्म दिनांक 12 अगस्त, 1937 को गांव चढ़ियार, जिला-कांगड़ा में हुआ था। श्री ज्ञान चन्द भाटिया राजनीति में आने

से पहले सामाजिक एवं जनसेवा के कार्यों से जुड़े हुए थे। वर्ष 1977 में विधायक चुने गए। वर्ष 1972 ग्राम पंचायत चढ़ियार में सदस्य रहे। उनकी समाज सेवा में विशेष रुचि थी। दिनांक 03 जून, 2026 को उनका निधन हुआ। स्वर्गीय श्री विजयेन्द्र सिंह जी का जन्म दिनांक 26 जून, 1946 को स्वर्गीय श्री सुरेन्द्र सिंह जी के घर में हुआ था। श्री विजयेन्द्र सिंह जी पहली बार 1977 में विधायक चुने गये थे, उसके पश्चात् वर्ष 1982, 1985, 1990 व 1993 में पुन: सदस्य चुने गये। वह मई, 1982 से 07 अप्रैल, 1983 तक मुख्य संसदीय सचिव रहे तथा 1983-1984 व पुन: वर्ष 1988-89 में माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मन्त्री के पद पर रहे। सामाजिक कार्य, बेरोज़गारी व ग्रामीण निर्धनता को दूर करने तथा समाज में महिलाओं की प्रतिष्ठा उभारने के लिए वह विशेष तौर पर कार्य करते थे। 80 वर्ष की आयु में दिनांक 01 जुलाई, 2026 को उनका निधन हुआ।

स्वर्गीय श्री राम चन्द भाटिया जी का जन्म दिनांक 04 फरवरी, 1948 को स्वर्गीय श्री सुदों राम जी के घर गांव-अमतरार, डाकघर-सुनेह, जिला-कांगड़ा में हुआ था। श्री भाटिया राजनीति में आने से पहले सामाजिक एवं जनसेवा के कार्यों से जुड़े हुए थे। ग्रामीणों के बीच उनकी सहज उपलब्धता, निष्पक्षता और समस्याओं को समझने की क्षमता ने उन्हें जनप्रिय बनाया। वर्ष 1982, 1985 व 1990 में विधायक चुने गए। वर्ष 1982 तथा 1985 में लोक लेखा समिति, लोक उपक्रम समिति, नियम समिति, आवास समिति और कार्य सलाहकार समिति के सदस्य रहे। उनकी समाज सेवा में विशेष रुचि थी। वे सदा निष्ठा, ईमानदारी और जनसेवा के प्रतीक रहे। 78 वर्ष की आयु में उनका दिनांक 29 जुलाई, 2026 को निधन हुआ ।

मैं मान्य सदन की ओर से दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना करता हूं और सदन की भावनाओं को स्वर्गीय श्री ज्ञान चन्द, श्री विजयेन्द्र सिंह एवं श्री राम चन्द भाटिया, पूर्व सदस्यों के परिवारों तक पहुंचा दिया जाएगा।"

(दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए सदन में कुछ क्षण खड़े होकर मौन रखा गया।)

2. प्रश्नोत्तर:

(1) तारांकित प्रश्न :

तारांकित प्रश्न संख्या : 3623 व 4027 (स्थगित) के उत्तरों पर माननीय सदस्यों द्वारा अनुपूरक प्रश्न पूछे गए तथा माननीय मुख्य मंत्री/उप-मुख्य मंत्री द्वारा उत्तर दिए गए।

तारांकित प्रश्न संख्या : 4332 से 4374 तक के उत्तर संबंधित मंत्रियों द्वारा दिए गए समझे गए।

(2) अतारांकित प्रश्न :

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1351 व 1533 (स्थगित) और अतारांकित प्रश्न संख्या : 1707 से 1719 तक के उत्तर सभा पटल पर रखे गए।

माननीय नेता प्रतिपक्ष, श्री जय राम ठाकुर ने दिनांक 21अगस्त, 2026 को माननीय मुख्य मंत्री द्वारा राष्ट्रीय गान के अपमान बारे विपक्ष पर लगाए जा रहे आरोपों का खण्डन करते हुए कहा कि ये आरोप निराधार व तथ्यों से परे हैं क्योंकि विपक्ष ने राष्ट्रीय गान का पूर्ण सम्मान किया है जिसकी पुष्टि सदन में लगी स्क्रीनों पर कार्यवाही की वीडियो चलाकर की जा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि एक समुदाय विशेष की आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए वर्ष 1937 में राष्ट्रीय गीत को पूरा न गाकर केवल दो स्टैंजे गाने तक सीमित रखने का निर्णय लिया गया था जिस कारण राष्ट्रीय गीत खंडित हुआ था और उसके बाद देश के भी दो टुकड़े हुए जोकि इतिहास के दुर्भाग्यपूर्ण हिस्से हैं। उन्होंने अध्यक्ष महोदय से उक्त घटनाक्रम पर व्यवस्था देने का आग्रह करते हुए कहा कि राष्ट्रीय महत्व के गंभीर विषय पर इस प्रकार की टिप्पणी करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

माननीय मुख्य मंत्री श्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू ने अपनी बात रखते हुए कहा कि राष्ट्रीय गान व राष्ट्रीय गीत कांग्रेस पार्टी की ही देन है। जिस राष्ट्रीय गान व राष्ट्रीय गीत की बात विपक्ष कर रहा है उसके लिए हजारों स्वतंत्रता सेनानियों ने देश को आज़ाद करवाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। यह राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत किसी एक पार्टी, व्यक्ति, क्षेत्र या एक धर्म के नहीं हैं बल्कि पूरे देश की शान हैं। राजनीति करने के लिए बहुत से मंच हैं लेकिन इस प्रकार का छद्म राष्ट्रवाद और छद्म धर्मनिरपेक्षता की राजनीति उचित नहीं है। सत्र आरम्भ होते ही विपक्ष के सदस्यों ने हाथ खड़े करते हुए कहा था कि राष्ट्रगान के बाद वंदे मातरम् भी होगा लेकिन अध्यक्ष महोदय ने इन्हें सदन की परम्पराओं के बारे में अवगत करवाया। जो सदस्य सदन की परम्पराओं का सम्मान नहीं करते, वही राष्ट्रीय अपमान ही होता है। ये राष्ट्रीय अपमान के दोषी हैं। कांग्रेस पार्टी ने देश को संवारा और बनाया है। यदि इस देश के लिए किसी पार्टी ने बलिदान दिया तो वह कांग्रेस पार्टी है। जब देश आजाद हुआ था तो इस देश में सुई तक नहीं बनती थी लेकिन आज इस देश में सुई से लेकर जहाज तक बनता है। यह कांग्रेस पार्टी की नीतियों के कारण ही संभव हुआ है।

(12.20 बजे अपराह्न सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे।)

विपक्ष के सभी माननीय सदस्य राष्ट्रीय गान के अपमान के मुद्दे पर तथ्यों को स्पष्ट व उजागर करने के लिए सदन में लगी स्क्रीनों पर वीडियो चलाने का आग्रह करने लगे।

सदन में व्याप्त गतिरोध को देखते हुए माननीय अध्यक्ष द्वारा 12.21 बजे अपराह्न सदन की कार्यवाही 02.00 बजे अपराह्न तक स्थगित कर दी गई।

(भोजनावकाश के उपरांत 02.00 बजे अपराह्न सदन की बैठक माननीय अध्यक्ष, श्री कुलदीप सिंह पठानिया की अध्यक्षता में पुन: आरम्भ हुई।)

सदन की बैठक पुन: आरम्भ होते ही **माननीय मुख्य मंत्री** ने कहा कि जहां देशभक्ति और राष्ट्रभक्ति की बात आती है उसमें कांग्रेस पार्टी हमेशा से आगे रही है। लेकिन जिस प्रकार से विपक्ष द्वारा राष्ट्रगान का अपमान किया गया है, वह सही नहीं है। विपक्ष के सदस्य वीडियो दिखाने की बात कर रहे हैं, वीडियो को देखने से इनको किसने रोका है। सत्र आरम्भ होने पर इन्होंने हाथ खड़ा किया कि राष्ट्रगीत की बात करो। अध्यक्ष महोदय ने इन्हें कहा कि राष्ट्रगान की बात करो यानी राष्ट्रगान सदन की परंपरा के अनुसार गाया गया है। झूठ बोलना विपक्ष का एक तकिया कलाम हो गया है।

(सत्तापक्ष और विपक्ष के सभी माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे।)

Ruling by the Hon'ble Speaker

"Order in the House, please. I request all the Members to take their seats; otherwise, I will be forced to adjourn the House."

2.08 बजे अपराह्न सदन की बैठक सोमवार, दिनांक 24 अगस्त, 2026 के 02.00 बजे अपराह्न तक स्थगित हुई।

*****